Dr. Sangita Kumari Sinha
B.A D-II (H) IInd paper.

Continue - Somatoform disorder.

Treatment of Somatoform disorder.

कायप्ररूप विकृति के उपचार के लिए कई प्रविधियों का वर्णन किया गया है।

(1) Confrontation ⇒ इस प्रविधि में चिकित्सक रोगी को अपने लक्षणों के प्रति अधिक जागरूकता बढ़ाकर उसका उपचार करने की कोशिश करते हैं। Brady & Lind (1961) ने अपने अध्ययन में कई ऐसे रोगियों का उपचार सफलतापूर्वक किया है परन्तु ऐसा देखा गया है कि रोगियों में उस तरह का संज्ञापन प्रायः क्षणिक होता है और उसमें रोगी में मानसिक संघर्ष एवं आत्मसम्मान की कमी हो जाती है। कुछ रोगियों में तो यह भाव भी उत्पन्न हो जाता है कि चिकित्सक उसकी हँसी रहे हैं। फलतः वे चिकित्सा को तुच्छ समझने लगते हैं।

2 Suggestion कुछ चिकित्सकों का मत है कि यदि चिकित्सक पूरे विश्वास के साथ रोगी को मात्र यह सरल सुझाव देता है कि उसके लक्षण अब जल्दी ही दूर हो जाएंगे, तो इससे भी रोग के उपचार पर अनुकूल प्रभाव पड़ते देखे गये। Conversion hysteria के रोगियों में सुझावग्रहणशीलता का गुण अधिक होता है और कुछ चिकित्सकों का यह दावा रहा है कि यदि ऐसे रोगियों को पूरे विश्वास के साथ यह सुझाव दिया जाता है कि उसके रोग के लक्षण समाप्त हो जायेंगे तो सचमुच में ऐसे रोग के लक्षण बहुत हद तक समाप्त हो जाते दिखते हैं। Carter (1949) ने अपने अध्ययन में पाया कि 100 Conversion hysteria के रोगियों में ऐसे सुझाव के बाद करीब 95 रोगियों के लक्षण समाप्त हो गये।

Ajanta Oxford

Scanned with CamScanner

3. **Psychoanalytic Insight →** Psychoanalytic therapy में कायप्रारूप विकृति के उपचार के लिए रोगी के मनोविश्लेषण सूझ उत्पन्न करने पर अधिक बल डाला है। इस तरह की सूझ के उत्पन्न हो जाने पर रोगी उन मानसिक संघर्षों के बारे में उत्तम समझ हासिल कर लेता है जो उनमें दैहिक लक्षण उत्पन्न किये हो। Kirgeny (1999) ने Conversion hysteria तथा अन्य कायप्रारूप विकृति के रोगियों का मनोविश्लेषिक चिकित्सा प्रविधि से किया गया उपचार से संबंधित 60 अध्ययनों की समीक्षा के आधार पर बतलाया है कि अधिकतर रोगियों में जब इस तरह का मनोविश्लेषिक सूझ उत्पन्न कर दिया जाता है तो उनके दैहिक लक्षण बहुत हद तक समाप्त हो जाते हैं परन्तु कुछ अन्य विशेषज्ञों का मत है कि चूँकि इनसे संबंध well-controlled studies की कमी है अतः अन्तिम रूप से कुछ कहा नहीं जा सकता है।

4. **Other Therapies →** कायप्रारूप विकृति के उपचार में दूसरे तरह की चिकित्साओं का भी उपयोग सफलता पूर्वक किया गया है। Van Kempen et al (1992) ने अपने अध्ययन में पाया है कि Amitriptyline जो एक तरह का विषाद विरोधी औषधी है तथा जिसका दर्द निवारक प्रभाव भी होता है से दर्द विकृति के रोगियों को काफी लाभ होता है। Linarski (1996) के अनुसार दर्द विकृति के लक्षण को दूर करने में सूझपूर्ण राय की भी अहम भूमिका होती है। इनके अनुसार जब रोगी को यह कहा जाता है कि उनके चिकित्सा का लक्ष्य दर्द से मुक्ति दिलाना नहीं है बल्कि उन्हें दर्द पर अपना नियंत्रण कायम कर लेना है ताकि वे अपनी जिन्दगी में ठीक से समय व्यतीत कर सके, तो इसका भी काफी फायदा उन्हें होता है।

कायप्रारुप विकृति के उपचार में पारिवारिक चिकित्सा को भी महत्वपूर्ण बतलाया गया है। Trugay (1990) के अनुसार, करीब 89 adult जो conversion hysteria के रोगी थे, पारिवारिक चिकित्सा दिये जाने पर उनमें से करीब आधे रोगियों को दो सप्ताह के भीतर रोग से मुक्ति मिल गयी। मनोवैज्ञानिक तथा मनोचिकित्सक द्वारा उपयुक्त विधि का चयन करके इस रोग का उपचार किया जाता है।

Scanned with CamScanner